Semester II , MA 8/07/2025

CCS Paper 5, Cognitive Psychology
Unit 3

Topic - Meaning and characteristics of Concepts

सोचने या चिंतन की क्रिया में व्यक्ति प्रत्ययों या संप्रत्ययों (concepts) की सहायता लेता है किसी भाषा के विभिन्न शब्दों के व्यक्तिवाचक संज्ञा को छोड़कर, अन्य सभी प्रकार के संज्ञाओं के शब्द को प्रत्यय कहा जाता है जैसे पशु, सौंदर्य, मनुष्य, सोना, जल, लंबाई इत्यादि

प्रत्यय चिंतन का मध्यस्थ प्रतीक होता है (Mediating symbols) होता है जिसके फलस्वरूप व्यक्ति किसी समूह की प्रत्येक वस्तुओं या घटनाओं के प्रति एक जैसी प्रतिक्रिया करता है विभिन्न मनोवैज्ञानिक ने इसकी परिभाषा भिन्न-भिन्न तरीके से किया है।

ऑसगुड (Osgood) प्रत्यय एक सामान्य प्रतिक्रिया है जो किसी घटना वर्ग के प्रति की जाती है जिसके सदस्य किसी सर्वश्रेष्ठ विशेषताओं को प्रदर्शित करती है

सैनफोर्ड (Sanford) प्रत्यय कई प्रकार के उत्तेजनाओं की सर्वश्रेष्ठ विशेषताओं के प्रति सीखी जानेवाली एक प्रतिक्रिया है

मॉर्गन एवं किंग (Morgan and King) प्रत्यय एक प्रतीकात्मक रचना है जो वस्तुओं की सर्वश्रेष्ठ एक एवं समान गुणों का प्रतिनिधित्व करता है।

उपर्युक्त तथ्यों के एवं विभिन्न मनो-वैज्ञानिकों द्वारा दिये गये परिभाषा के आधार पर हम यह कह सकते हैं कि प्रत्यय द्वारा विभिन्न उत्तेजनाओं के प्रति समान विशेषता के आधार पर समरूप ढंग से प्रतिक्रिया की जाती है यह प्रतिक्रिया वाचिक या अवाचिक (verbal or nonverbal) दोनों तरह की हो सकती है वाचिक रूप से जब विभिन्न वस्तुओं में कोई सर्वनिष्ठ विशेषता पायी जाती है तो उन्हें किसी एक ही वर्गनाम (classname) से संबोधित किया जाता है, जैसे पक्षी एक प्रत्यय है पक्षी विभिन्न तरह के होते हैं जिनमें पंख होते हैं तथा उनमें उड़ने की विशेषता पाई जाती है इनके अनेक विभिन्नताओं के बावजूद उड़ने की विशेषता पाई जाती है अतः इस वर्ग के सभी जीव को पक्षी कहा जाता है।

अवाचिक रूप से (Nonverbal) से भी विभिन्न प्रकार की उत्तेजनाओं के प्रति समान तरह की क्रिया की जाती है, जैसे भोजन दो प्रकार का होता है सामिष (Non-vegetarian) एवं निरामिष (vegetarian) वर्गों में अलग-अलग रखना हो तो मांस, मछली, मुर्गा को एक ही वर्ग सामिष में रखते हैं तथा दूध, दही, मिठाई, फल एवं सब्जी निरामिष के वर्ग में रखते हैं।

अतः, यदि विभिन्न भोज्य पदार्थों को अलग-अलग वर्गों के शाब्दिक रूप से विभाजित नहीं कर व्यावहारिक रूप से किया जाता है।

अतः प्रत्यय किसी समूह के विभिन्न वस्तुओं व्यक्तियों या घटनाओं की सर्वश्रेष्ठ विशेषता को प्रदर्शित करती है।

प्रत्यय की विशेषताएं (characteristics of concepts) -

(1.) प्रत्यय विभिन्न उत्तेजनाओं के उनकी समान विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण का एक प्रतिकात्मक साधन है जैसे, कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा, हाथी, शेर, गाय आदि को पशु के वर्ग में, तथा, कौआ, सुग्गा, कबूतर को पक्षी वर्ग में, आम, केला, सेब, अमरूद आदि को फल वर्ग में तथा, आलू, बैंगन, साग-पात को सब्जी के वर्ग के अन्तर्गत रखते हैं।

(2.) प्रत्यय वस्तुओं से प्राप्त संवेदी प्रदत्तों (Sensory datas) का संगठित एवं विस्तृत रूप होता है। जैसे त्रिभुज, तीन सरल रेखाओं से बने कोण आदि है इन सबके संयोग से बनी आकार को त्रिभुज प्रत्यय के अन्दर रखा जाता है।

(3.) प्रत्यय व्यक्ति के पूर्व अनुभव (Past experience) पर आधारित होता है।

(4) प्रत्यय एक चयनात्मक तंत्र है जो भिन्न भिन्न संवेदी अनुभवों के बीच संबंध स्थापित करता है जो व्यक्ति की मानसिक संगठन की उपज है।

Page 4 :

(5) प्रत्यय का यह स्वरूप [illegible] (Symbolic nature) का पता है [illegible] स्वरूप पहचाने जाते हैं कि भिन्न-भिन्न प्रकार की अभिव्यंजनाओं के [illegible] एक ही [illegible] की उत्पत्ति है [illegible] है यह शब्दों द्वारा होता है [illegible] समय, क्रम (order) आदि द्वारा [illegible]

Kumar Patel
Maharaja College, Ara
8541986965